ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

दैनिक क्लास नोट्स

भारतीय अर्थव्यवस्था

Lecture – 46

शेयर मार्केट (Share market)



शेयर मार्केट (Share market)

शेयर मार्केट (Share market):

- वह मार्केट जहाँ व्यक्ति कंपनी के शेयर को खरीद या बेच सकता है।
- शेयर खरीदने का तात्पर्य यह होता है, कि शेयरधारक कंपनी के शेयर में मालिकाना अधिकार रखते हैं। अर्थात उस कंपनी को यदि लाभ होता है, तो लाभ का निश्चित प्रतिशत शेयर धारक को भी मिलता है, जबकि यदि कंपनी को नुकसान होता है, तो शेयर धारक को हानि का वहन करना पड़ता है।

कंपनियों के प्रकार:

- **प्राइवेट लिमिटेड कंपनी:** इसमें शेयर धारकों की संख्या 2-200 के मध्य होती है।
- **पब्लिक लिमिटेड कंपनी:** जब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बाजार में शेयर बेचने जाती है, तो उसे पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत होना अनिवार्य होता है। क्योंकि इसमें जनता का भी शेयर होता है। इसमें शेयर धारकों की संख्या 200 से अधिक होती है।
- कंपनी की देनदारियों का दायित्व केवल उसी कंपनी के समयकाल तथा परिसंपत्ति तक सीमित होता है, उसी समूह की अन्य कंपनियों से उसका दायित्व या देनदारियां चुकाने का प्रावधान या उत्तरदायित्व नहीं है।
- यह एक स्टॉक एक्सचेंज में पंजीकृत या सूचीबद्ध होती है। जहाँ उसका कारोबार संचालित होता है।

स्टॉक एक्सचेंज (Stock Exchange):

- यह कंपनी के शेयरों के विनिमय का एक स्थान है, जहाँ शेयरों की खरीद और बिक्री की जाती है। वर्तमान समय में शेयर का कारोबार ऑनलाइन माध्यमों से होता है, जिसमें एक ब्रोकर की भूमिका होती है।
- स्टॉक एक्सचेंज में शेयर के अतिरिक्त सरकारी प्रतिभूतियां, बांड तथा म्यूच्यूअल फण्ड आदि बेचे जा सकते हैं।

शेयर बाजार के प्रकार

- **प्राथमिक बाजार (Primary market):**जब कंपनी द्वारा नवीन शेयर जारी किये जाते हैं तथा कंपनी पहली बार अपने शेयर बेचती है, तो उसे प्राथमिक बाजार कहा जाता है। इनमें IPO का प्रयोग किया जाता है।
- **Following on public offer (FPO):** जब कंपनी दूसरी बार अपने शेयर बेचती है, तो FPO का प्रयोग करती है तथा शेयर बाजार से धन जुटाती है।
- कभी-कभी कंपनी अपने कर्ज चुकाने के लिए अपने आधिकारिक शेयर धारकों को पुनः शेयर बेचती है, इसके लिए Right issue Share जारी किया जाता है। right issue को शेयर धारक एक निश्चित मात्रा में ही खरीद सकते हैं।
- **द्वितीयक बाजार (Secondary market):**वह बाजार जहाँ कंपनी के शेयर को पुनः खरीदा या बेचा जाता है, उसे **द्वितीयक** बाजार कहते हैं।
- जब कंपनी अपने शेयर को IPO के माध्यम से बेच देती है, तो उन्हें जनता खरीद लेती है। इसके पश्चात् लोग इन शेयर को बार-बार खरीदते-बेचते रहते हैं।
- शेयरों की बार-बार खरीद बिक्री द्वितीयक बाजार में होती है।

NOTE: विश्व का पहला स्टॉक एक्सचेंज डच कंपनी ने वर्ष 1602 में शुरू किया था, जिसने पहली बार शेयर बेचकर धन जुटाया था।

भारत में स्टॉक एक्सचेंज (Stock Exchange In India)

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE):

- यह एशिया का पहला स्टॉक एक्सचेंज है।
- इसमें लगभग 5000 कंपनिया सूचीबद्ध है, यह भारतीय बाजार की विविधता को प्रदर्शित करता है।
- इसे **शेयर मार्केट का बेंचमार्क** इंडेक्स कहा जाता है। इसके द्वारा जारी किया जाने वाला इंडेक्स **सेंसेक्स (SENSEX)** है, जोकि शेयर मार्केट की स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है।
- सेंसेक्स के निर्माण हेतु 30 शीर्ष कंपनियों, जिन्हें ब्लू चिप कम्पनी(Blue Chip company) कहा जाता है, को आधार बनाया जाता है तथा उनके शेयर की कीमत बढ़ने या घटने की स्थिति के आधार पर सेंसेक्स का निर्माण किया जाता है।
- चूँकि कंपनियों का **बास्केट** (विभिन्न कंपनियों को लाना) बदलता रहता है, इसीलिए इसे भारतीय शेयर बाजार का '**मिरर**' तथा '**अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर**' कहा जाता है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE):

- इसकी स्थापना वर्ष 1992 में की गई थी।
- इसका बाजार पूंजीकरण BSE के बराबर है।
- इसमें 1600 कम्पनियां सूचीबद्ध है।
- भारत के पूँजी बाजार में पारदर्शिता का अभाव था, इसीलिए सरकार ने कहा कि पूँजी बाजार में पारदर्शिता तथा पेशेवर सत्यनिष्ठा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- इसके पश्चात् अनेक भारतीय तथा विदेशी वित्तीय संस्थानों को सहयोग से एक नवीन मॉडल का विकास किया गया, इसमें LIC, GIC, SBI, IDFC तथा विदेशी CITY BANK का योगदान था।
- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का इंडेक्स **NIFTY** कहलाता है, जिसका तात्पर्य '**नेशनल फिफ्टी**' होता है, इसमें शीर्ष 50 कंपनियों को शामिल किया जाता है।

भारत का महानगरीय स्टॉक एक्सचेंज या मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज (MSE):

- इसे 2008 में शुरू किया गया तथा इसने 2013 में शेयर व्यापर प्रारंभ कर दिया।
- इसमें कैपिटल मार्केट तथा मनी मार्केट के उपकरणों का इंटरेस्ट रेट पर मुख्यतः व्यापार होता है।
- इसकी स्थापना सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों तथा इंडियन प्राइवेट बैंक द्वारा की गई।

यूनाइटेड स्टॉक एक्सचेंज (USE):

- सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों, स्टैण्डर्ड चार्टर बैंक तथा इंडिया कॉर्पोरेट हाउस द्वारा इसकी स्थापना वर्ष 2010 में की गई थी।
- यह मुख्यतः व्यापारिक वित्तीय साधनों का व्यापार करता है।

इंडिया इंटरनेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ISE):

- यह 2017 में स्थापित भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज है। जोकि गिफ्ट सिटी गुजरात में अवस्थित है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र की सहायता के लिए प्रारंभ किया गया था।

BSE-SME (Small medium enterprises):

- यह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा वर्ष 2012 में बनाया गया था, जोकि लघु तथा मध्यम उद्योगों को समर्पित है।
- इसके माध्यम से लघु तथा मध्यम उद्योगों द्वारा ऋण वित्त साधनों का व्यापार किया जाता है तथा लघु तथा मध्यम उद्योगों द्वारा ऋण एकत्रित किया जाता है, ताकि अपने उद्योगों का सुविधापूर्ण संचालन कर सके।
- इसमें शेयर नहीं बेचे जाते हैं।
- इसमें निवेशक को लघु तथा मध्यम उद्योगों के विषय में जानकारी प्रदान की जाती है।

NSE-Emerge:

- यह NSE द्वारा लघु तथा मध्यम उद्योगों के लिए विकसित प्लेटफॉर्म है।
- इसकी सम्पूर्ण विशेषताएं BSE-SME के समान हैं।

कमोडिटी एक्सचेंज (Commodity Exchange):

- स्टॉक एक्सचेंज में जहाँ वित्तीय उत्पादों का व्यापार किया जाता है, वहीं कमोडिटी एक्सचेंज में गैर-वित्तीय साधनों का व्यापार किया जाता है, जैसे कृषि उत्पाद, स्वर्ण, चांदी आदि का व्यापार किया जाता है।

भारत में कमोडिटी एक्सचेंज निम्न हैं:

- मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड
- नेशनल कमोडिटी और डेरीवेटिव लिमिटेड
- इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड
- नेशनल मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया

स्पॉट एक्सचेंज (Spot Exchange):

- स्पॉट एक्सचेंज से तात्पर्य ऐसे एक्सचेंज ट्रेडिंग एक्सचेंज से है, जोकि कृषि उत्पादों, धातुओं आदि का व्यापार के साथ-साथ ही उनकी आपूर्ति भी सुनिश्चित करता है।
- यह एक्सचेंज आपूर्ति श्रंखला से जुड़े विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर का भी विकास करता है, जैसे गुणवत्ता, प्रमाणन, भण्डार गृह तथा रशीद आदि।

भारत में वर्तमान में 4 स्पॉट एक्सचेंज कार्यरत हैं :

- नेशनल स्पॉट एक्सचेंज
- NCDEX ई मार्केट लिमिटेड
- रिलायंस स्पॉट एक्सचेंज इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
- इंडियन बुलियन स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड

♦❍❍❍❍